कमी के कारण चौथी पंचवर्षीय योजना में इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार किये जाने की सम्भावना नहीं है ।

अटारा स्टेशन को जंक्शन बनाकर नई रेलवे लाइन बिछाना

2025. **श्री जागेश्वर यादव** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अटारा को जंक्शन बनाकर बबेरू, कमसिन और राजापुर में से होकर गुजरने वाली नई रेलवे लाइन बिछाने के लिए सर्वेक्षण किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में क्या निर्णय किया गया है;

(ग) क्या सरकार का विचार निकट भविष्य में यह रेलवे लाइन बिछाने का है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० म० पुनाचा) : (क) और (ख) . 1917 में बाबेरू और कमसिन के रास्ते बांदा से राजापुर तक (90.12 कि० मी०) छोटी लाइन के लिए यातायात की संभावनाओं का पता लगाया गया था और 1938 में करतल से कमसिन तक (93.34 कि० मी०) बड़ी लाइन के लिए एक यातायात सर्वेक्षण किया गया था । जांच-पड़ताल से यह पता चला कि ये लाइनें अलाभप्रद रहेंगी, इसलिए उनके निर्माण का विचार छोड़ दिया गया ।

(ग) और (घ) . इस लाइन के अलाभप्रद होने और धन की कमी के कारण इस बात की संभावना नहीं है कि उल्लिखित स्थानों को जोड़ने वाली एक नयी रेलवे लाइन के निर्माण को चौथी पंचवर्षीय योजना में शामिल किये जाने के लिये पर्याप्त प्राथमिकता मिल पायेगी ।

झांसी-मानिकपुर सैक्शन में एक्सप्रैस रेलगाड़ी

2026. **श्री जागेश्वर यादव** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य रेलवे में झांसी मानिकपुर सैक्शन में, जब से यह लाइन बिछाई गई है, केवल दो यात्री गाड़ियां ही चलती हैं, यद्यपि इस समय इस लाइन पर यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ गई है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस लाइन पर एक एक्सप्रैस गाड़ी चलाने का है; और

(ग) क्या सरकार का विचार बांदा लखनऊ एक्सप्रैस गाड़ी को मानिकपुर तक ले जाने का है?

रेलवे मंत्री (श्री चे० म० पुनाचा): (क) . अक्तूबर, 1949 से पहले झांसी मानिकपुर खण्ड पर केवल एक जोड़ी सवारी गाड़ियां चला करती थीं । यातायात की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अक्तूबर, 1949 से एक जोड़ी अतिरिक्त सवारी गाड़ियां चलायी गयीं ।

(ख) अपेक्षित सवारी डिब्बों, अतिरिक्त लाइन क्षमता और टर्मिनल सुविधाओं के अभाव में इस समय इस प्रस्ताव को क्रियान्वित करना व्यावहारिक नहीं है ।

(घ) जी नहीं ।

झंगाई रेलवे स्टेशन में औषधालय

2027. **श्री नागेश्वर द्विवेदी** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर रेलवे में झंगाई रेलवे स्टेशन के औषधालय को हटाने का निर्णय किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस औषधालय के कब हटाये जाने की संभावना है;

(ग) गत तीन वर्षों में प्रतिवर्ष उक्त औषधालय से कितने रुपये की दवाइयां बांटी गईं, कितने रोगी उसमें भर्ती किये गये तथा कितने व्यक्तियों को दवाइयां दी गईं ।

(घ) उक्त औषधालय के दो भूतपूर्व डाक्टरों के कार्यालयों में रोगियों की भर्ती तथा दवाइयां बांटने की स्थिति पृथक्-पृथक्; क्या है ; और

(ङ) उन कर्मचारियों तथा स्थानीय निवासियों को जिन्हें इस औषधालय से चिकित्सा सहायता प्राप्त होती है, भविष्य में चिकित्सा सहायता देने के लिए क्या प्रबन्ध किये गये हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) झंघाई की स्थायी स्वास्थ्य यूनिट को बन्द कर दिया गया है लेकिन वहां एक लाक-अप औषधालय चल रहा है ।

(ख) पिछले कई वर्षों से इस स्वास्थ्य यूनिट पर आने वाले लोगों की दैनिक औसत संख्या इतनी कम थी कि इसे जारी रखने का कोई औचित्व नहीं था और इसलिए इसे 30-11-1967 को बन्द कर दिया गया ।

(ग) प्रत्येक स्वास्थ्य यूनिट पर बांटी जाने वाली औषधियों की कीमत का अलग से हिसाब नहीं रखा जाता पिछले तीन वर्षों में जितने मरीजों का इलाज किया गया है उनके आंकड़े नीचे दिये गये हैं :—

वर्ष	आने वाले नये मरीजों की संख्या
1964-65	3564
1965-66	3347
1966-67	3575

मरीजों की हालत को देखते हुए उन्हें दवाइयां दी गयी या मरहम पट्टी कर दी गयी ।

(घ) इस स्वास्थ्य यूनिट पर केवल एक डाक्टर तैनात किया गया था । इसलिए मरीजों को भर्ती करने और दो डाक्टरों द्वारा अलग-अलग दवाइयां बांटने का प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) इलाहाबाद से एक सहायक चिकित्सा अधिकारी झंघाई स्थित लाक-अप औषधालय में प्रत्येक दूसरे दिन केवल दो घंटे के लिए आता है ताकि स्थानीय रेलवे कर्मचारियों की चिकित्सा सम्बन्धी जरूरतें पूरी की जा सकें । इस स्वास्थ्य यूनिट से सम्बद्ध अन्य खण्डों को चिकित्सा के उद्देश्य से आस-पास के अस्पतालों —इलाहाबाद और वाराणसी की स्वास्थ्य यूनिट में बांट दिया गया है ।

CANCELLATION OF TRAINS ON EASTERN RAILWAY

2028. **SHRI JYOTIRMOY BASU** : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether a number of passenger and goods trains were cancelled on the Eastern Railway, especially in the Howrah Division on or about the 8th February, 1968;

(b) if so, the number thereof; and

(c) the reasons therefor ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA) : (a) to (c). No trains were cancelled on 8-2-68. However, on 9-2-68, due to heavy and intense fog during the small hours of the morning from 3.30 A.M., there were frequent trippings of traction power supply followed by total power supply failure from 05.00 hours on Howrah Division between Howrah and Bandel on the main line. There were also a few interruptions to power supply on the Howrah-Burdwan Chord and Seoraphuli-Tarakeswar Branch. As a result, 56 local trains and 2 goods trains were cancelled and two goods trains terminated short of destination on the Howrah Division. On the Sealdah Division, similarly 82 local trains suffered detentions varying from 15 to 130 minutes each. However,